नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

गांधी का जन्मवर्ष हिंदी को समर्पित हों – कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल

वर्धा, 8 जुलाई 2019: महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में हिंदी को जन-जन से जोड़ने वाली भाषा के रूप इस्तेमाल किया। उन्होंने अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष वर्धा में बिताए। उनके जयंती के 150 वें वर्ष में हमें हिंदी के प्रति

समर्पित भाव से कार्य कर राजभाषा हिंदी को एक नई उंचाई देना है, यही गांधी जी के प्रति सच्ची आदरांजलि होगी। यह विचार महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.रजनीश कुमार शुक्ल ने रखे। वे नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, वर्धा की बैठक की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे।

बैठक के प्रारंभ में राजभाषा अधिकारी राजेश कुमार यादव ने सभी का स्वागत किया। कुलपति प्रो. शुक्ल का स्वागत विनोद शेट्टीगर ने तथा शेट्टीगर का

स्वागत राजेश यादव ने किया। कार्यकारी कुलसचिव प्रो. कृष्ण कुमार सिंह का स्वागत जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे ने किया।

कुलपति कक्ष में सोमवार, 8 जुलाई को आयोजित बैठक में वर्धा शहर तथा आसपास के केंद्रीय कार्यालयों के प्रमुखों तथा राजभाषा अधिकारियों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. शुक्ल ने कहा कि राजभाषा नियम के अनुसार हमारा क्षेत्र

'ख' श्रेणी में आता है। हमें चाहिए कि हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अधिक से अधिक काम-काज हिंदी में करें। उन्होंने कहा कि हिंदी सहजता से समझी जाने वाली भाषा है। हिंदी-मराठी के समान शब्दों का प्रयोग कर हम हिंदी को और सरल और सहज बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा के लिए वर्धा ऐतिहासिक स्थल है इस लिहाज से हमारी जिम्मेदारी अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने ऑनलाइन और डिजिटल प्रारूप में हिंदी के विकास के लिए महत्वाकांक्षी योजनाएं संचालित करने की मंशा जाहीर की।

बैठक में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से पत्रिका का प्रकाशन शुरू करने तथा वेबसाइट बनाने आदि मुद्दों पर चर्चा की गयी। कुलपति ने आश्वस्त किया कि हिंदी में काम-काज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी केंद्रीय कर्मियों को प्रशिक्षण

देने, कार्यशालाएं आयोजित करने, भिन्न–भिन्न विषयों पर प्रतियोगिताएं आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालय मदद करेगा।

बैठक में कार्यकारी कुलसचिव प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने कहा कि गांधी जी का हिंदी प्रेम और उनकी ओर से स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी से संवाद स्थापित करने के कारण से ही वर्धा में राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की स्थापना हुई है, ऐसे में हमें शत प्रतिशत हिंदी के उपयोग के लिए काम करना चाहिए। बैठक में एमगिरी के उप निदेशक डॉ. मनोरंजन पटनायक, हिंदी अधिकारी जयकिशोर छांगानी, वेस्टर्न कोल्ड फील्ड के राजेंद्र कुमार गड़करी, मनोहर मस्के, आयकर विभाग के पी. पी. पवित्रन, बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रबंधक विनोद शेट्टीगर, राजभाषा अधिकारी फतेह सिंह मीना, मोनिका वाघ, पावर ग्रिड कार्पोरेशन के महा प्रबंधक अनिल बाबू नाईक, केंद्रीय विद्यालय वर्धा के प्रभारी प्राचार्य खोंडे, केंद्रीय विद्यालय पुलगांव के दीपक मेश्राम, संजू डांगी, भारतीय जीवन बिमा निगम के संजय दादुरवाडे, पंजाब नेशनल बैंक के धर्मदास डेकाटे, सेंट्रल बैंक आफ इंडिया संजय रामटेके, दि न्यू इंडिया इंशुरंस के आर. सुंदरसेन, श्याम सुले प्रमुखता से उपस्थित थे।